

[श्री दिगम्बर सिंह]

वही मयूरा केन्द्रीय सरकार की दृष्टि में उपेक्षित है। उसका नाम तीर्थ-स्थानों की सूची में नहीं। मयूरा और वृन्दावन के यमुना के किनारों के घाटों की स्थिति बहुत खराब है। पुराने घाट भी टूटते जाते हैं। सड़क खराब है, गली खराब है, छपाई के कारखाने और नालों के गंदे पानी के कारण यमुना का पानी गंदा हो जाता है। बिजली और पीने के पानी की कमी है। गंदा पानी कई महत्वपूर्ण स्थानों पर स्याई तौर पर भरा रहता है। औद्योगिक विकास प्राधिकरण, कानपुर ने उद्योग बस्ती बना कर और उसके गंदे पानी के निकास को नगर की ओर कर के एक समस्या और खड़ी कर दी है। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद् भी मकान बना कर गंदे पानी को नगर की ओर कर रही है; मयूरा में सरकार का कोई सक्रिय हाउस नहीं। टूरिस्ट विभाग का होटल आदि नहीं। रेडियो स्टेशन बहुत कम शक्ति का है। यहां की महत्वपूर्ण संस्कृति पर डाकुमेंटरी फिल्म नहीं बनाई जाती। चौरासी मील की यात्रा में प्रतिवर्ष पैदल परिक्रमा को हजारों लोग आते हैं। उसके मार्ग भी खराब हैं।

केन्द्रीय सरकार से मेरी प्रार्थना है कि वह मयूरा के लिए अधिक से अधिक सहायता दे कर सड़क ठीक कराए और पानी तथा बिजली की कमी पूरी करे। टूरिस्ट विभाग अपनी सूची में सम्मिलित करे, वह तीर्थस्थान घोषित हो। गंदा पानी यमुना के नहाने के घाटों पर न पहुंचे। रेडियो स्टेशन की क्षमता बढ़ाए। वृन्दावन और श्रंगगढ़ पर यमुना का पुल बनाए। औद्योगिक बस्ती और आवास एवं विकास परिषद् के मकानों का गंदा पानी मयूरा नगर में न जाए। सक्रिय हाउस और टूरिस्ट होटल बने। वृज की संस्कृति की डाकुमेंटरी फिल्म बने आदि आदि।

भाषा है कि केन्द्रीय सरकार इस ओर अवश्य ध्यान देगी।

(ii) Need for a fishing harbour in the Arabian Sea-Coast of Kanyakumari district

SHRI N DENNIS (Nagercoil) : Sir, I raise the following matter of urgent Public Importance, under rule 377

Establishment of fishing harbour in the Arabian sea coast of Kanyakumari District is a long-felt need and necessity. There are repeated and persistent demands in this regard from the people of the district. Fishing is one of the major occupations in this district. As far as fishermen population is concerned, that this district stands first in Tamil Nadu. The coastal places herein are thickly populated with fishermen. It is one of the major marine fish producing parts in the country and there are wide scope and ample opportunities for the enhancement of its production. There are abundant potentialities too for its development. But in spite of its significant and tremendous contribution in the field of marine fisheries, it is regrettable to note that there is no fishing harbour in the Arabian Sea Coast of Tamil Nadu. The proposed fishing harbour at Chinnamuttom is in the Bay of Bengal sea coast. Establishment of a fishing harbour at Colachel or at any other place in the Arabian sea coast of Tamil Nadu would not only facilitate the abundant exploitation of fishing resources of the Wagde Bank in the Indian Ocean, which has rich unexploited fishing resources but facilitate greatly the exploitation of resources in the Arabian Sea too. It would also considerably increase the quantity of production of marine fish and prawn lavings for domestic consumption and export. So, Government may be pleased to pass immediate orders for the establishment of fishing harbour in the Arabian sea coast of Tamil Nadu by considering its great need and urgent necessity.

(iii) NEED FOR AMELIORATING THE CONDITION OF EXTRA-DEPARTMENTAL EMPLOYEES OF P & T DEPARTMENT NOW GONG DISTRICT IN ASSAM.

SHRI MUKUNDA MANDAL (Mathurapur) : Sir, under rule 377, I raise the following matter of urgent public importance.

The condition of extra departmental staff in postal department, particularly Nowgong District in Assam, is so pathetic that they are under starvation condition. They are only given Rs. 108/- per month for 4-6 hours work a day. They are to visit remote villages and small towns to